ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 12-01-2024

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-01-12 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-01-13	2024-01-14	2024-01-15	2024-01-16	2024-01-17
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	25.0	25.0	25.0	25.0	26.0
न्यूनतम तापमान(से.)	9.0	9.0	7.0	7.0	7.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	26	22	22	21	34
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	14	12	11	11	18
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	11	8	8	12
पवन दिशा (डिग्री)	53	33	66	93	75
क्लाउड कवर (ओक्टा)	6	0	0	2	6

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 25.0 से 26.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 07.0 से 09.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई गेहूं की फसल में दूसरी सिंचाई फुटाव की अवस्था पर करें। फसल में दीमक का प्रकोप दिखाई देने पर क्लोरोपायरीफास 4 लीटर प्रति हैक्टेयर सिंचाई के साथ दें।

लघु संदेश सलाहकार:

आने वाले दिनों में आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	किसान भाई सरसों की फसल में फलीयां बनते समय फसल में सिंचाई करें।
चना	चने की फसल में फली छेदक कीट के नियन्त्रण हेतु फली बनने के बाद मिथाइल पैराथियॉन 2 प्रतिशत या क्यूनॉलफॉस 1.5 प्रतिशत चूर्ण का 25 कि.ग्रा, प्रति हैक्टर की दर से भुरकाव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
जीरा	आगामी दिनों में हल्के बादल छाये रहने के कारण जीरे में झुलसा रोग के प्रकोप होने की प्रबल संभावना हैं अतः रोग के प्रभावी नियंत्रण के लिये थायफ़ोनेट मिथाईल 70 डब्यू.पी. या मैन्कोजेब 02 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
जीरा	जीरे की फसल में किसान भाई एफिड कीट की लगातार निगरानी करते रहें। कीट का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु डाइमिथोएट 30 ईसी. एक मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से या ऐसीफेट 75 एस.पी. 750 ग्राम प्रति हैक्टेयर या थायोमिथोक्साम 25 घुलनशील चूर्ण 100 ग्राम प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।
	ईसबगोल की फसल में बुवाई के 65 दिन बाद सिंचाई करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	दुधारु एवं नवजात पशुओं को शीत लहर से बचाने के समुचित प्रबन्ध करें। रात्रि में पशु घर के द्वार पर टाटी या जूट की बोरी लगा कर रखें तथा दुधारु एवं नवजात पशु की पीठ के चारों ओर जूट की बोरी बांधे।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	आने वाले पांच दिनों में रात का तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है। अतः शाम के समय हल्की सिंचाई कर फसलों, सब्जियों, फलों के पौधों को कम तापमान से बचाएं।